चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 02 सितंबर 2026, अंक –348.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

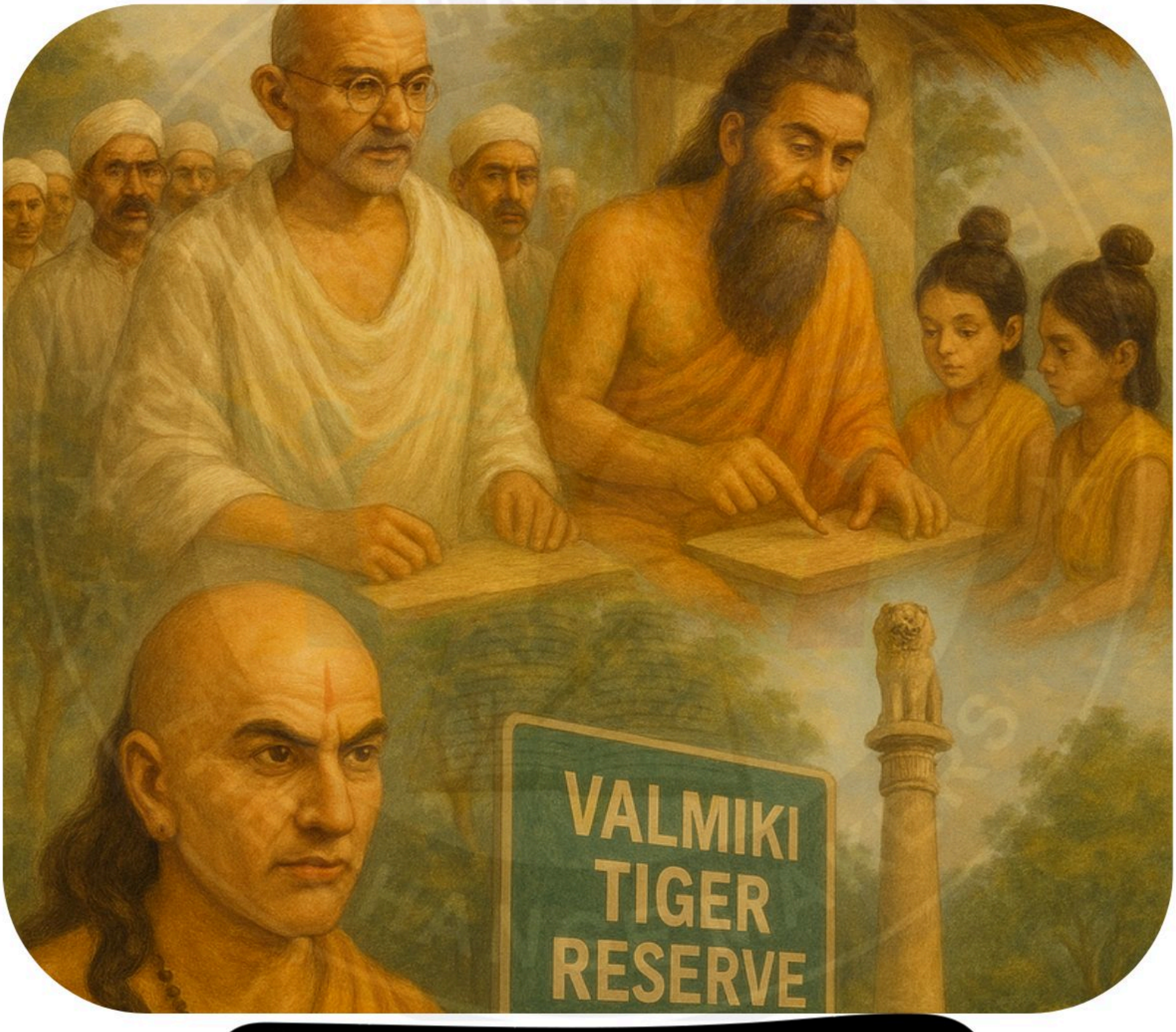

"सीखने की कोई उम्र नहीं होती।"

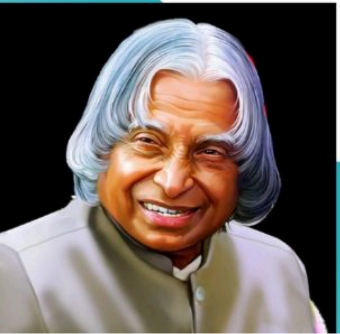

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है..।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है..।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है..।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है..।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

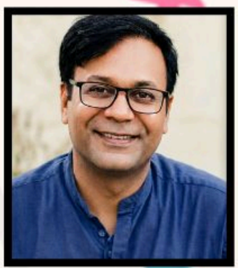

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. वियतनाम की राजधानी क्या है?
उत्तर: हनोई
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला लोकसभा सांसद कौन थीं?
उत्तर: राधाबाई सुबारायन
प्रश्न 3. 'मणिपुरी' किस राज्य की प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य-शैली है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 4. एक वर्ग की भुजा 6 सेमी है। उसका परिमाप कितना होगा?
उत्तर: 24 सेमी
प्रश्न 5. बिहार का 'बिहार संग्रहालय' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. जीवों के रहने के स्थान को क्या कहते हैं?
उत्तर: आवास
प्रश्न 7. ग्रहों की गति के नियम किस वैज्ञानिक ने दिए थे?
उत्तर: केप्लर
प्रश्न 8. भारत में राज्यसभा के सभापति कौन होते हैं?
उत्तर: उपराष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'जो दूसरों से ईर्ष्या करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: ईर्ष्यालु
प्रश्न 10. कौन-सा पदार्थ पानी में घुलकर विलयन बनाता है—नमक या रेत?
उत्तर: नमक

संकलन:-

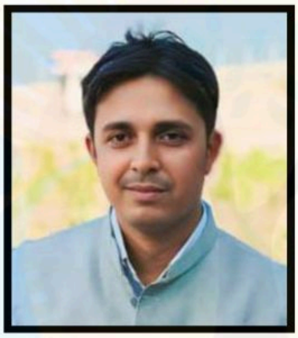

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Evergreen – (एवरग्रीन) – सदाबहार पौधा/वृक्ष
Deciduous – (डिसिड्युअस) – पतझड़ी पौधा/वृक्ष
Grove – (ग्रोव) – पेड़ों का छोटा समूह
Woodland – (वुड्लैंड) – वनभूमि
Meadow – (मेडो) – घास का मैदान
Wetland – (वेटलैंड) – आर्द्रभूमि
Mangrove – (मैंग्रोव) – मैंग्रोव वनस्पति / ज्वारीय वन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "किसके लिए ... करोगे/करोगी?" (Who will you ... for?)

तुम किसके लिए खाना बनाओगे/बनाओगी? – Who will you cook food for?
तुम किसके लिए उपहार खरीदोगे/खरीदोगी? – Who will you buy a gift for?
तुम किसके लिए यह पत्र लिखोगे/लिखोगी? – Who will you write this letter for?
तुम किसके लिए यह काम करोगे/करोगी? – Who will you do this work for?
तुम किसके लिए चाय बनाओगे/बनाओगी? – Who will you make tea for?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 2 सितंबर को एशियाई एवं प्रशांत नारियल समुदाय (ICC) द्वारा किस महत्वपूर्ण कृषि उत्पाद के सतत उत्पादन, आजीविका और स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विश्व स्तर पर दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व नारियल दिवस (World Coconut Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 2 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व नारियल दिवस' मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2009 में एशियाई और प्रशांत नारियल समुदाय (ICC) द्वारा की गई थी, जिसका मुख्यालय जकार्ता (इंडोनेशिया) में है। नारियल को भारतीय संस्कृति और कृषि में 'कल्पवृक्ष' (सभी इच्छाएं पूरी करने वाला वृक्ष) माना जाता है क्योंकि इसका प्रत्येक भाग – फल, जल, रेशा (कॉयर), तेल और लकड़ी उपयोगी होता है। भारत विश्व में नारियल के प्रमुख उत्पादक देशों में शीर्ष पर है, जहाँ केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश इसके प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।
संदर्भ: International Coconut Community (ICC) Portal; Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Coconut Development Board (CDB) India;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के किस रक्षा अनुसंधान संगठन ने स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली 'हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल' (HSTDV) के उन्नत स्क्रैमजेट इंजन का सफल उड़ान परीक्षण किया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)
व्याख्या: सितंबर 2026 में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से स्वदेशी हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (HSTDV) का सफल परीक्षण किया। यह यान स्क्रैमजेट (Scramjet) इंजन तकनीक पर आधारित है, जो वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग कर ध्वनि की गति से 6 गुना अधिक (Mach 6+) की गति प्राप्त करता है। यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें विकसित करने और कम लागत में उपग्रह प्रक्षेपण प्रणालियां तैयार करने में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाती है।
संदर्भ: Defence Research and Development Organisation (DRDO) Official Bulletin September 2026;

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए पोषण स्तर पर जीवित जीवों के कुल शुष्क भार (Dry Weight) या प्रति इकाई क्षेत्र बायोमास के चित्रमय निरूपण को क्या कहते हैं, जो जलीय पारितंत्र में प्रायः उल्टा बनता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जैव-भार का पिरामिड (Pyramid of Biomass)
व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र में विभिन्न पोषण स्तरों के जीवों के बीच जैव-भार (Biomass) के संबंध को दर्शाने वाला आरेख 'जैव-भार का पिरामिड' कहलाता है। स्थलीय पारितंत्र (जैसे घास का मैदान या वन) में उत्पादकों (वृक्ष/घास) का बायोमास शाकाहारी और मांसाहारी जीवों की तुलना में अत्यधिक होने के कारण पिरामिड सीधा (Upright) बनता है। इसके विपरीत गहरे जलीय/समुद्री पारितंत्र में प्राथमिक उत्पादकों (पादप प्लवक/Phytoplankton) का तीव्र जीवन चक्र और कम बायोमास होने तथा उन पर निर्भर बड़ी मछलियों का बायोमास बहुत अधिक होने के कारण बायोमास का पिरामिड उल्टा (Inverted) बनता है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 263–265;

प्र.5. 1526 ईस्वी में पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने दिल्ली सल्तनत के किस अंतिम लोदी सुल्तान को पराजित कर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी थी? (इतिहास)
उत्तर: इब्राहिम लोदी
व्याख्या: 21 अप्रैल 1526 को हरियाणा के पानीपत के ऐतिहासिक मैदान में काबुल के शासक जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर और दिल्ली के अंतिम लोदी सुल्तान इब्राहिम लोदी के बीच भीषण युद्ध लड़ा गया। इस युद्ध में बाबर की सेना अपेक्षाकृत छोटी थी, किंतु उसने 'तुलुगमा युद्ध नीति' (सैन्य विंग चक्रव्यूह) और उस्ताद अली तथा मुस्तफा के नेतृत्व में तोपखाने (बंदूक व बारूद) का पहली बार प्रभावी उपयोग किया। युद्ध में इब्राहिम लोदी मारा गया, जिसके साथ ही 320 वर्षों से चला आ रहा दिल्ली सल्तनत का शासन समाप्त हुआ और भारत में मुगल वंश की स्थापना हुई।
संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 4 "मुगल साम्राज्य", p. 45–48;

प्र.5. 1526 ईस्वी में पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने दिल्ली सल्तनत के किस अंतिम लोदी सुल्तान को पराजित कर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी थी? (इतिहास)
उत्तर: इब्राहिम लोदी
व्याख्या: 21 अप्रैल 1526 को हरियाणा के पानीपत के ऐतिहासिक मैदान में काबुल के शासक जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर और दिल्ली के अंतिम लोदी सुल्तान इब्राहिम लोदी के बीच भीषण युद्ध लड़ा गया। इस युद्ध में बाबर की सेना अपेक्षाकृत छोटी थी, किंतु उसने 'तुलुगमा युद्ध नीति' (सैन्य विंग चक्रव्यूह) और उस्ताद अली तथा मुस्तफा के नेतृत्व में तोपखाने (बंदूक व बारूद) का पहली बार प्रभावी उपयोग किया। युद्ध में इब्राहिम लोदी मारा गया, जिसके साथ ही 320 वर्षों से चला आ रहा दिल्ली सल्तनत का शासन समाप्त हुआ और भारत में मुगल वंश की स्थापना हुई।
संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 4 "मुगल साम्राज्य", p. 45–48;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. तिब्बत में 'सांगपो' (Tsangpo) और अरुणाचल प्रदेश में 'दिहांग' के नाम से जानी जाने वाली भारत की प्रमुख पूर्वोत्तर नदी असम घाटी में किस नाम से पहचानी जाती है? (भूगोल)
उत्तर: ब्रह्मपुत्र नदी (Brahmaputra River)
व्याख्या: ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट चेमायुंगदुंग हिमनद से होता है, जहाँ इसे 'यारलुंग सांगपो' कहा जाता है। यह हिमालय के समानांतर पूर्व की ओर बहती हुई नामचा बरवा पर्वत शिखर के पास यू-टर्न लेकर 'दिहांग' नाम से अरुणाचल प्रदेश में भारत में प्रवेश करती है। असम घाटी में दिबांग और लोहित नदियों के मिलने के बाद इसे 'ब्रह्मपुत्र' कहा जाता है। असम में यह नदी विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप 'माजुली' का निर्माण करती है और बांग्लादेश में प्रवेश करने पर इसे 'जमुना' के नाम से जाना जाता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 20–22;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा को एक मौलिक अधिकार घोषित करता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 21A (Article 21A)
व्याख्या: 86वें संविधान संशोधन अधिनियम (2002) द्वारा भारतीय संविधान के भाग-III में एक नया 'अनुच्छेद 21A' जोड़ा गया। यह राज्य को यह आदेश देता है कि वह 6 से 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों के लिए विधि द्वारा निर्धारित रीति से निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था करेगा। इस संवैधानिक अधिकार को प्रभावी बनाने हेतु संसद ने 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009' (RTE Act, 2009) पारित किया, जो 1 अप्रैल 2010 से पूरे देश में लागू हुआ। इसके साथ ही अनुच्छेद 51A के तहत 11वां मौलिक कर्तव्य भी जोड़ा गया था।
संदर्भ: Constitution of India, Part III, Article 21A; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान:

प्र.8. वाहनों की हेडलाइट, सर्चलाइट और टॉर्च में शक्तिशाली समानांतर प्रकाश पुंज (Parallel Beam) प्राप्त करने के लिए बल्ब को किस प्रकार के गोलीय दर्पण के मुख्य फोकस पर रखा जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: अवतल दर्पण (Concave Mirror)
व्याख्या: अवतल दर्पण (अभिसारी दर्पण / Converging Mirror) का परावर्तक पृष्ठ अंदर की ओर धंसा होता है। प्रकाशिकी के नियम के अनुसार, जब किसी प्रकाश स्रोत (बल्ब के फिलामेंट) को अवतल दर्पण के 'मुख्य फोकस' (Principal Focus) पर रखा जाता है, तो बल्ब से निकलने वाली सभी प्रकाश किरणें दर्पण के परावर्तक तल से टकराने के पश्चात मुख्य अक्ष के समानांतर होकर एक अत्यंत शक्तिशाली और सुदूरगामी समानांतर प्रकाश किरण पुंज (Parallel Light Beam) के रूप में आगे बढ़ती हैं। इसी गुण के कारण इसका उपयोग वाहनों की हेडलाइट, सर्चलाइट, सोलर कुकर और दंत चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 177–180;

प्र.9. भरतनाट्यम और कथकली के तत्वों को समाहित कर केरल के मंदिरों में विकसित हुआ वह कौन-सा शास्त्रीय लास्य नृत्य है जिसे 'मोहिनी' (भगवान विष्णु के नारी रूप) के नाम से जाना जाता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: मोहिनीअट्टम (Mohiniyattam)
व्याख्या: 'मोहिनीअट्टम' (शाब्दिक अर्थ: मोहिनी का नृत्य) केरल का एक प्रमुख शास्त्रीय एकल महिला नृत्य रूप है, जिसकी उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में हुई मानी जाती है। 19वीं शताब्दी में त्रावणकोर के महाराजा स्वाति तिरुनल और कवि वल्लाथोल नारायण मेनन (केरल कलामंडलम के संस्थापक) ने इसे पुनर्जीवित किया। यह नृत्य 'लास्य' शैली (कोमल, लालित्यपूर्ण और धीमी गति की शारीरिक मुद्राओं) पर आधारित है। इसमें नर्तकी सुनहरे जरी के बॉर्डर वाली सफेद/क्रीम रंग की पारंपरिक 'कसावु' साड़ी पहनती है और बालों का विशिष्ट जूड़ा (कुडुम्मा) बनाती है। यह मुख्यतः भगवान विष्णु और कृष्ण की भक्ति पर केंद्रित है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8;

प्र.10. बिहार के मुंगेर जिले में गंगा नदी के तट पर 1964 में स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा स्थापित विश्व का पहला योग विश्वविद्यालय कौन-सा है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: बिहार योग विद्यालय (Bihar School of Yoga, Munger)
व्याख्या: 'बिहार योग विद्यालय' (Bihar School of Yoga) की स्थापना 1964 में परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने मुंगेर में गंगा नदी के तट पर स्थित गंगा दर्शन आश्रम में की थी। यह दुनिया का पहला ऐसा संस्थान है जिसने प्राचीन, वैदिक और तांत्रिक योग विज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ जोड़कर एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय स्तर की संस्था के रूप में विकसित किया। वर्ष 2000 में इसे 'बिहार योग भारती' (विश्व का पहला योग विश्वविद्यालय) का दर्जा मिला। वर्ष 2019 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा योग के विकास और संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान हेतु इसे 'प्रधानमंत्री योग पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।
संदर्भ: Bihar Tourism Development Corporation Portal; Bihar School of Yoga Official Archives;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (सुरक्षित शनिवार: अगस्त W4 — नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अनजाने में गहरे पानी में गिर जाए और उसे तैरना न आता हो, तो डूबने से बचने हेतु 'अस्तित्व तैराकी' (जल पर पीठ के बल लेटने / Survival Floating) की क्या सही तकनीक है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: शांत रहें, फेफड़ों में हवा भरें, पीठ के बल लेटकर तैरें (Back Floating)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' प्रशिक्षण मॉड्यूल और एनडीआरएफ (NDRF) के जल-सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार, गहरे पानी में गिरने पर घबराहट और हाथ-पैर पटकने से ऊर्जा तेजी से नष्ट होती है और पानी फेफड़ों में भर जाता है। इसके विपरीत 'सर्वाइवल फ्लोटिंग' (पीठ के बल तैरना) तकनीक अपनानी चाहिए: (1) पूर्णतः शांत रहें और घबराकर हाथ-पैर न चलाएं; (2) सिर को पीछे की ओर झुकाकर कान पानी में डुबोए रखें और ठुड्डी को आकाश की ओर सीधा रखें; (3) फेफड़ों में पूरी हवा भरकर रखें क्योंकि हवा भरे फेफड़े प्राकृतिक 'लाइफ जैकेट' की तरह शरीर को पानी की सतह पर तैराए रखते हैं; (4) हाथों और पैरों को पानी के भीतर फैलाकर हल्के-हल्के हिलाते हुए केवल अपनी नाक और मुंह को पानी से बाहर रखकर सांस लें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module August W4 — "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव"; National Disaster Response Force (NDRF) Aquatic Safety Standard SOP.

प्र.12. एक बैग में कुल 24 गेंदें हैं, जिनमें से कुछ लाल और शेष नीली हैं। यदि बैग में से एक लाल गेंद निकालने की प्रायिकता (Probability) 3/8 है, तो बैग में नीली गेंदों की कुल संख्या कितनी है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 15 नीली गेंदें

व्याख्या: यह प्रायिकता (Probability) पर आधारित गणितीय प्रश्न है। कुल गेंदों की संख्या = 24। लाल गेंद निकालने की प्रायिकता P(लाल) = 3/8। लाल गेंदों की संख्या = कुल गेंदें * P(लाल) = 24 * (3/8) = 3 * 3 = 9 लाल गेंदें। अतः बैग में बची हुई नीली गेंदों की कुल संख्या = कुल गेंदें - लाल गेंदों की संख्या = 24 - 9 = 15 नीली गेंदें। (वैकल्पिक विधि: नीली गेंद निकालने की प्रायिकता = 1 - 3/8 = 5/8। अतः नीली गेंदों की संख्या = 24 * (5/8) = 3 * 5 = 15 गेंदें)।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 10, Ch 15 "प्रायिकता" (Probability), p. 328–335;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

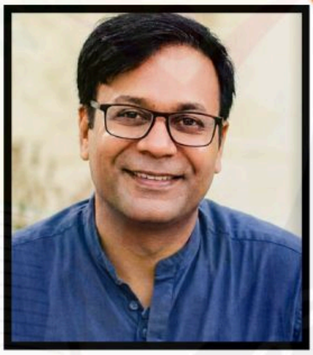

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Farcical (फार्सिकल) = Ridiculous (रिडिक्युलस) = हास्यास्पद / उपहासास्पद
   Antonym – Serious (सीरियस) = गंभीर
2. Glean (ग्लीन) = Gather (गैदर) = चुन-चुनकर जानकारी/तथ्य प्राप्त करना
   Antonym – Disperse (डिस्पर्स) = बिखेरना / फैलाना
3. Impetuous (इम्पेचुअस) = Rash (रैश) = आवेगी / उतावला
   Antonym – Deliberate (डिलिबरेट) = सोच-समझकर किया गया
4. Languid (लैंग्विड) = Listless (लिस्टलेस) = सुस्त / निढाल / उत्साहहीन
   Antonym – Energetic (एनर्जेटिक) = ऊर्जावान
5. Mendicant (मेन्डिकेन्ट) = Beggar (बेगर) = भिक्षुक / भिखारी
   Antonym – Benefactor (बेनेफैक्टर) = उपकारी / दानदाता

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National High-Throughput Quantum Computing Framework 2.0' to Bolster Deep-Tech Innovation.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने डीप-टेक नवाचार को मजबूती देने के लिए 'राष्ट्रीय उच्च-थ्रूपुट क्वांटम कंप्यूटिंग फ्रेमवर्क 2.0' का अनावरण किया।
राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (NQM) के विस्तार के तहत केंद्र सरकार ने देश भर के शीर्ष वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों (IITs, IISc) तथा नवाचार प्रयोगशालाओं को उच्च-क्षमता वाले क्वांटम प्रोसेसर्स और क्लाउड सिमुलेटर से जोड़ने के लिए एक समर्पित तकनीकी रूपरेखा जारी की है। इसका उद्देश्य क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान और औषधि निर्माण के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'State Green Logistics and Smart Warehousing Index 2026', Highlighting Multi-Modal Rail-Waterway Integration.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने मल्टी-मॉडल रेल-जलमार्ग एकीकरण को रेखांकित करते हुए 'राज्य हरित लॉजिस्टिक्स एवं स्मार्ट भंडारण सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में राष्ट्रीय रसद लागत को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 8% से नीचे लाने के प्रयासों के तहत समर्पित माल गलियारों (DFC) और अंतर्देशीय जलमार्गों के कुशल उपयोग में गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह सूचकांक राज्य स्तरीय आपूर्ति श्रृंखला के आधुनिकीकरण और कार्बन फुटप्रिंट में कमी की प्रगति का विश्लेषण करता है।

English Headline: ISRO Completes Integrated High-Altitude Hot Fire Qualification Test of Indigenous Semi-Cryogenic Stage for Next-Gen Heavy Lift Launchers.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के भारी लिफ्ट प्रक्षेपकों के लिए स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक चरण का एकीकृत उच्च-ऊंचाई हॉट फायर योग्यता परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में नए सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह तकनीक आगामी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) के भारी मॉड्यूल और गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए पेलोड वहन क्षमता को मजबूती प्रदान करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Historic Multi-Lateral Framework on 'Ethical Governance and Risk Mitigation for Advanced Autonomous AI Systems'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'उन्नत स्वायत्त एआई प्रणालियों के नैतिक शासन और जोखिम शमन' पर ऐतिहासिक बहुपक्षीय रूपरेखा को मंजूरी दी।
संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विशेष सत्र के दौरान सदस्य देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पारदर्शी, सुरक्षित और मानवीय निगरानी वाले उपयोग के लिए वैश्विक सुरक्षा मानकों को सर्वसम्मति से स्वीकार किया। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे पर साइबर खतरों को कम करना और विकासशील देशों में डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Commit Joint $4.8 Billion Climate Resilience Facility for South Asian River Basins.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई नदी घाटियों के लिए संयुक्त $4.8 बिलियन की जलवायु लचीलापन सुविधा की घोषणा की।
गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु बेसिन के तटीय तथा नदी क्षेत्रों में चरम मौसम की घटनाओं, बाढ़ सुरक्षा तटबंधों और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। यह राशि भारत, नेपाल और बांग्लादेश में सतत जल संसाधन प्रबंधन को गति प्रदान करेगी।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Grid 6.0' for Climate-Sensitive Zoonotic Outbreaks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु-संवेदनशील जूनोटिक प्रकोपों के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस ग्रिड 6.0' की शुरुआत की।
बढ़ते वैश्विक तापमान और अप्रत्याशित वर्षा चक्रों के कारण उभरने वाले वेक्टर-जनित व जूनोटिक संक्रामक रोगों के म्यूटेशन की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस डिजिटल निगरानी मंच का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोमिक डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों को पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves Special Financial Incentives for Integrated Agro-Processing and Solar-Powered Micro Cold Storage Hubs.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने एकीकृत कृषि-प्रसंस्करण और सौर-ऊर्जा संचालित माइक्रो शीतगृह हब के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहनों को मंजूरी दी। राज्य के पारंपरिक और भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणित कृषि उत्पादों—विशेषकर मिथिला मखाना, मुजफ्फरपुर की शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के मूल्य संवर्धन (Value Addition) को बढ़ावा देने के लिए नई वित्तीय सहायता योजना स्वीकृत की गई है। इसके तहत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को आधुनिक कोल्ड स्टोरेज और निर्यात-उन्मुख प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी।

English Headline: Bihar Forest and Climate Change Department Initiates Phase-II Geospatial Wetland Inventory in Valmiki-Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने वाल्मीकि-गंडक बेसिन में चरण-II भू-स्थानिक आर्द्रभूमि सूचीकरण शुरू किया। उत्तर-पश्चिमी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारिस्थितिकीय जल निकायों के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए वन विभाग ने उपग्रह और रिमोट सेंसिंग सर्वेक्षण के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल संचयन क्षेत्रों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता की रक्षा करना और क्षेत्रीय भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Tops Medal Tally at World Archery Cup Stage Finals with Multiple Gold Medals in Recurve and Compound Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी कप चरण फाइनल में रिकर्व और कंपाउंड स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ (WA) की विश्व कप प्रतियोगिता में भारतीय तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में सटीक निशानेबाजी के दम पर शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे भारत समग्र पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है।

English Headline: International Hockey Federation (FIH) Formally Implements AI-Powered Smart-Turf Sensor Analytics for Ball Tracking in Global Circuit.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने वैश्विक सर्किट में बॉल ट्रैकिंग के लिए एआई-संचालित स्मार्ट-टर्फ सेंसर एनालिटिक्स को औपचारिक रूप से लागू किया।
मैच के दौरान अंपायरिंग निर्णयों को सटीक और विवाद-मुक्त बनाने के उद्देश्य से एफआईएच ने नई तकनीकी नियमावली लागू की है। टर्फ और गोल-लाइन पर लगे उन्नत सेंसर सूक्ष्म संपर्कों और गति का वास्तविक समय में विश्लेषण करके अंपायरों को त्रुटिहीन निर्णय लेने में सहायता करेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

ताकत की सही पहचान

(पोषण सप्ताह विशेष)

पोषण सप्ताह के अवसर पर विद्यालय में शिक्षक बच्चों से स्वस्थ रहने के बारे में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने पूछा, “बच्चों, क्या केवल पेट भर जाने से शरीर को पूरी ताकत मिल जाती है?”

राजू ने तुरंत कहा, “सर, मैं तो भरपेट रोटी-चावल खाता हूँ। फिर भी कभी-कभी जल्दी थक जाता हूँ।”

शिक्षक ने समझाया, “यही बात हमें पोषण को समझने की जरूरत बताती है। पेट भरना और शरीर को पूरा पोषण मिलना एक ही बात नहीं है। जब शरीर को लंबे समय तक आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलते, तो शरीर कमजोर पड़ सकता है। इसे कुपोषण की समस्या से भी जोड़ा जाता है।”

बच्चे ध्यान से सुनने लगे।

शिक्षक ने कहा, “संतुलित आहार का मतलब महंगे भोजन से भरी थाली नहीं है। हमारे घरों में उपलब्ध साधारण चीजें भी उपयोगी हैं—दाल, चना, सत्तू, मूंगफली, मौसमी हरी सब्जियाँ, अनाज, दूध या दही जहाँ उपलब्ध हो, अंडा तथा स्थानीय फल। अलग-अलग खाद्य पदार्थ शरीर को अलग-अलग प्रकार की ताकत और पोषण देते हैं।”

सुनैना ने पूछा, “सर, अगर घर में रोज़ सब चीजें उपलब्ध न हों तो?”

शिक्षक बोले, “तब जो स्थानीय और सस्ता भोजन उपलब्ध है, उसमें विविधता लाने की कोशिश करनी चाहिए। एक ही चीज पर निर्भर रहने के बजाय दाल, चना, सब्जी और अनाज को बारी-बारी से भोजन में शामिल करना उपयोगी है।”

फिर शिक्षक ने बच्चों को याद दिलाया कि भोजन के साथ स्वच्छ पानी, हाथ धोना, साफ-सफाई, नियमित भोजन और पर्याप्त नींद भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं।

राजू ने कहा, “अब समझ गया सर, ताकत केवल ज्यादा खाने से नहीं, सही खाने से मिलती है।”

शिक्षक मुस्कुराए, “बिल्कुल। स्वस्थ शरीर ही पढ़ाई, खेल और सपनों को पूरा करने की असली ताकत देता है।”

सीख : “भोजन केवल भूख मिटाने के लिए नहीं, शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए भी है। सही पोषण ही स्वस्थ बचपन और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।” ⭐

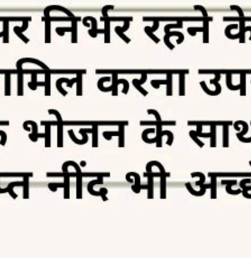

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जमायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन :रोहतास, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: रोहतास: शेरशाह का स्थापत्य, रोहतासगढ़ का दुर्ग और स्वाधीनता समर

रोहतास का इतिहास मध्यकालीन भारत के प्रशासनिक पुनर्जागरण, अभेद्य सामरिक दुर्गों और राष्ट्रभक्ति के अद्वितीय आंदोलनों का गौरवशाली केंद्र रहा है। इस जिले की सबसे प्रमुख वैश्विक पहचान सासाराम में स्थित शेरशाह सूरी का मकबरा (Tomb of Sher Shah Suri) है। एक विशाल कृत्रिम वर्गाकार झील के मध्य अष्टकोणीय मंच पर लाल बलुआ पत्थर से निर्मित यह मकबरा भारतीय-इस्लामी वास्तुकला का अनुपम उदाहरण है। सूरी साम्राज्य के संस्थापक शेरशाह सूरी ने केवल इस भव्य स्थापत्य का निर्माण ही नहीं कराया, बल्कि ग्रांड ट्रंक रोड (सड़क-ए-आज़म) का विस्तार, 'रुपया' मुद्रा का मानकीकरण और आधुनिक भूमि-राजस्व सुधारों की नींव रखकर भारत के प्रशासनिक ढांचे को हमेशा के लिए बदल दिया।

सामरिक और प्राचीन इतिहास के धरातल पर कैमूर की पहाड़ियों पर स्थित रोहतासगढ़ दुर्ग (Rohtasgarh Fort) भारत के सबसे बड़े और प्राचीन किलों में से एक है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार, इसका निर्माण सूर्यवंशी राजा हरिश्चंद्र के पुत्र राजा रोहिताश्व ने कराया था। समुद्र तल से लगभग 1500 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह किला मध्यकाल में मुगलों और सूरी शासकों का प्रमुख सैन्य अड्डा रहा। इसके निकट स्थित तुतला भवानी धाम और ताराचंडी मंदिर (51 शक्तिपीठों में से एक) सदियों से शाहाबाद और मगध के श्रद्धालुओं के लिए अगाध आध्यात्मिक आस्था के केंद्र रहे हैं।

औपनिवेशिक काल के दौरान रोहतास की माटी क्रांति और स्वाधीनता के बिगुल से निरंतर गूँजती रही। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में बाबू कुंवर सिंह और उनके अनुज अमर सिंह की क्रांतिकारी गतिविधियों को रोहतासगढ़ के जंगलों और कैमूर की पहाड़ियों ने सुरक्षित रणनीतिक आधार प्रदान किया था। स्थानीय क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सेना की रसद प्रणाली को ध्वस्त कर इस क्षेत्र में अंग्रेजी हुकूमत को महीनों तक घुटनों पर ला दिया था।

स्वतंत्रता संग्राम के आधुनिक दौर में 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान सासाराम, डेहरी और बिक्रमगंज में छात्रों, मजदूरों और किसानों का ऐतिहासिक जन-उभार देखने को मिला। डेहरी में रेलवे पटरियों को उखाड़कर और सासाराम के डाकघरों व थानों पर तिरंगा फहराकर स्थानीय क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी हुकूमत को सीधी चुनौती दी। ब्रिटिश पुलिस की गोलियों का सामना करते हुए इस माटी के वीर सपूतों ने अपनी शहादत देकर राष्ट्र के स्वाभिमान को अमर कर दिया।

रोहतास का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की भूमि में स्थापत्य की पराकाष्ठा, सामरिक स्वाभिमान और विदेशी दासता के विरुद्ध संघर्ष का अदम्य जज़्बा एक साथ प्रवाहित होता है। शेरशाह के जल-मकबरे की भव्यता हो, रोहतासगढ़ की प्राचीन दीवारें हों या 1857 व 1942 के अमर शहीदों का बलिदान—ये सभी तत्व मिलकर रोहतास को भारतीय अस्मिता का एक अनमोल स्तंभ बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

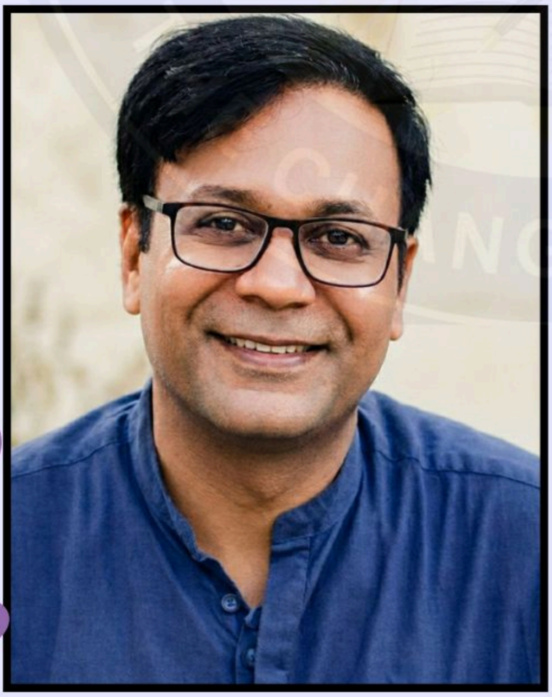

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org